# मेरी डार्लिंग सिस्टर-9

“(इस कहानी के सभी पात्रों के विषय में यह स्पष्ट कर देना आवश्यक है कि सभी पात्र काल्पनिक हैं और इन सभी पात्रों के आपसी रिश्ते एक दुर्घटना के कारण, संयोगवश बने हैं, न कि वास्तविक हैं। कहानी में मुख्य पात्रों में आपस में कोई रक्त सम्बन्ध नहीं है। इसके विषय में कहानी के प्रथम […] …”

**Story By: (dolly_agl)**
**Posted: Sunday, September 1st, 2013**
**Categories: रिश्तों में चुदाई**
**Online version: मेरी डार्लिंग सिस्टर-9**


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# मेरी डार्लिंग सिस्टर-9

(इस कहानी के सभी पात्रों के विषय में यह स्पष्ट कर देना आवश्यक है कि सभी पात्र काल्पनिक हैं और इन सभी पात्रों के आपसी रिश्ते एक दुर्घटना के कारण, संयोगवश बने हैं, न कि वास्तविक हैं। कहानी में मुख्य पात्रों में आपस में कोई रक्त सम्बन्ध नहीं है। इसके विषय में कहानी के प्रथम भाग में विस्तृत रूप से लिखा गया है।)
पिछले भाग में आपने पढ़ा कि कैसे मेरी मम्मी ने मुझे मेरी बहन को चोदते हुए पकड़ा, उसके बाद उनके पूछने पर मैंने उन्हें बताना शुरु किया कि इस चुदाई की शुरुआत कैसे हुई थी।
अब आगे :

सोनिया बोली- मेरे भाई, तुम्हारा लंड सच में बहुत ही मजेदार है और मुझे चूसने में बहुत अच्छा लग रहा है। तुम्हारे इस खड़े लंड को देखने और चूसने से मेरी पैंटी गीली महसूस हो रही है।

मुझे बहुत मज़ा आ रहा था और लग रहा था कि मेरा फिर दुबारा से निकल जाएगा। इसलिए मैंने सोनिया के बालों को पकड़ कर उसके मुँह को अपने लंड पर से हटा कर ऊपर उठा दिया और उसके होंठों पर को चूम लिया। बहन ने भी बहुत प्यार से मेरे होंठों को अपने होंठों के बीच दबा लिया और अपनी जीभ को मेरे मुँह में डाल दिया। हम दोनों करीब पाँच सात मिनट तक दूसरे के होंठों को चूसते रहे।

कुछ देर बाद सोनू ने अपना चेहरा मेरे से अलग किया और बोली- ओह भाई यह बहुत ही रोमांचक है कि हम दोनों को इस तरह का मौका मिला, तुम और मैं अपनी चुदाई की आग को शांत करने के लिए दोनों जल्दी से चुदाई का खेल शुरू करते हैं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

यह कह कर बहन बेड पर पीठ के बल लेट गई, उसके नाइट-गाउन के सारे बटन तो पहले से खुले हुए थे। अब उसने अपनी ब्रा भी उतार दी। उसकी गोल-गोल भरी हुईं चूचियों को मैंने अपने हाथों में ले लिया और एक मुसम्मी को मुँह में भर कर दूसरी मुसम्मी को ज़ोर से दबाते हुए चूसने लगा।

बहन के मुँह से सिसकारियाँ निकल रही थीं, मैं धीरे-धीरे नीचे की ओर सरकता गया और मैंने अपने चेहरे को उसकी मोटी जाँघों के बीच छुपा दिया। उसकी झीनी पैंटी के ऊपर से मैंने उसकी चूत को अपने मुँह में क़ैद कर लिया।

मुझे ऐसा लगा जैसे उसकी चूत के ऊपर बाल उगे हुए हैं। मैंने जल्दी से उसकी पैंटी को खींचा सोनू ने भी अपने चूतड़ उठा कर इस काम में मेरी मदद की और मेरे सामने मेरी प्यारी सोनू बहन की खूबसूरत हल्के सुनहरे झाँटों वाली गुलाबी बुर नुमाया हो गई।

मेरे अंदर जज़्बात का एक तूफान उमड़ पड़ा और मैं अपने आपको इतनी खूबसूरत और प्यारी बुर से अब अलग नहीं रख सकता था। अपनी इस उत्तेजित अवस्था में मुझे अपने चेहरे को उसकी बुर में गाड़ देने में कोई हर्ज़ नज़र नहीं आ रहा था।

मैंने ऐसा ही किया और उसकी बुर को चाटने लगा और उनकी फाँकों को अपने जीभ से सहलाने लगा।

बहन ने भी अपने दोनों हाथों को मेरे सिर पर रख दिया और मेरे बालों में हाथ फेरते हुए मेरे चेहरे को अपनी चूत पर दबा दिया और अपनी कमर को उठाते हुए अपनी बुर को मेरे चेहरे पर रगड़ने लगी।

उसकी बुर बहुत पानी छोड़ रही थी और मुझे उसकी बुर के रस का नमकीन पानी बहुत स्वादिष्ट लग रहा था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सोनू के मुँह से सिसकारियाँ निकलने लगी थीं और वो अपने दोनों हाथों से अपनी दोनों मुसम्मियों को खूब भींच-भींच कर मसल रही थी।

मैं इस समय बहुत ही उत्तेजित अवस्था में था, मैंने अपनी जीभ को उसकी बुर में पेल दिया और जीभ को बुर की पुत्तियों रगड़ते हुए अंदर घुमाने लगा। सोनिया उत्तेजना के मारे अपनी पिछाड़ी हवा में उछाल रही थी।

मेरे लिए उसके ऊपर काबू करना मुश्किल हो रहा था इसलिए मैंने अपने दोनों हाथों से उसके चूतड़ों को पकड़ लिया जिससे कि वो ज्यादा उछल नहीं पाए और तब मैं उसके बुर की टीट (क्लिट) को अपने होंठों के बीच दबा कर चूसने लगा।

“जानू मेरे, ओह अब चढ़ जाओ मेरे ऊपर, उफ्फ़…सस्स्स्सीईईई… अब मेरे लिए… ओह, सनम, मेरे प्यारे भाई जल्दी करो, अब मुझ से ये खुजली बर्दाश्त नहीं हो रही है, और अब मेरी बुर को चूसना छोड़ दे मेरे भाई तुम्हें मेरी चूत का रस पीने और भी मौके मिलेंगे, आज हमारा पहला मिलन होने वाला हैं, देर मत करो ब्रदर, अपने मोटे फनफनाते हुए लौड़े को जल्दी से मेरी चूत में पेल दो।”

मैं भी अब उसको चोदने की ज़रूरत महसूस कर रहा था और मैंने जल्दी से अपने चेहरे को उसकी जाँघों के बीच से हटा कर अपने आप को उसकी जाँघों के बीच ले आया एक हाथ से अपने खड़े लंड को पकड़ कर उसकी बुर के गुलाबी छेद पर लगा दिया और एक जोरदार झटका दिया।

मेरा लंड दनदनाता हुआ सीधा उसकी बुर में घुसता चला गया। सोनू के मुँह से एक चीख निकल गई। शायद मेरे इतनी तेज़ी के साथ लंड घुसने के कारण उसे दर्द हो गया था मगर उसने अपने आप को संभाल लिया और मुझे कस कर अपनी बाँहो में चिपटा लिया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ये सही है कि मैंने अपने दोस्तों से चुदाई संबंधी बहुत सारी बातें की हुई थीं और मैंने कुछ किताबें और फोटो एल्बम भी देख रखे थे लेकिन मम्मी, तुम्हारी और पापा की चुदाई को देखने के बाद मैं एकदम से पागल हो गया था।

“मेरे अंदर वासना का तूफान खड़ा हो गया था। मैं बहन की सिसकारियों और चीखों की तरफ बिना कोई ध्यान दिए बहुत जोरदार धक्के लगा रहा था। कुछ देर बाद ही मेरे जानदार धक्कों का जवाब सोनिया भी अपनी पिछाड़ी उछाल-उछाल कर देने लगी थी।

अब उसे मज़ा आने लगा था। उसकी बुर एकदम गीली हो चुकी थी और मेरा लंड सटासट अंदर-बाहर हो रहा था, उसकी गोल कठोर चूचियाँ मेरे हाथों में आसानी से फिट हो गई थीं और उनको दबाते और सहलाते हुए मैं अपने लौड़े को बहन की चूत में पेल रहा था।

मैं उसके रसीले होंठों को चूस रहा था और छोड़ रहा था। बहन अपनी सिसकारियों और किलकरियों के द्वारा मेरा उत्साह बढ़ाते हुए अपने नितम्ब उछाल-उछाल कर दम से चुदवा रही थी।

हम दोनों की साँसें धौकनी की तरह चलने लगी और तभी बहन ने मुझे कस कर अपने से चिपटा लिया और अपनी बुर से मेरे लौड़े को कस लिया।

मेरे लंड से भी वीर्य का एक तेज फ़व्वारा बहन की चूत के अंदर निकल पड़ा। हम दोनों कुछ देर तक ऐसे ही पड़े रहे फिर थोड़ी देर बाद हम एक-दूसरे से अलग हुए और बाथरूम में जाकर अपने अंगों को साफ किया।

फिर हम दोनों बेड पर बैठ गए, बहना ने मेरे होंठों का एक चुम्बन लिया मुझे उसकी चुदाई करने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि वो बहुत दिनों से किसी के साथ चुदाई करवाना चाहती थी मगर मौका नहीं मिलने के कारण अपनी सहेलियों के साथ बैंगन का इस्तेमाल

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

करती रही थी, जिससे उसकी झिल्ली फट चुकी थी।

“मैंने उस से कहा कि आज के बाद उसे बैंगन के इस्तेमाल की ज़रूरत नहीं महसूस होगी। यह हमारी पहली चुदाई थी। इसके बाद हम लगभग रोज चुदाई करते थे और कई-कई बार करते थे।”

इतना कह कर मैं चुप हो गया। मम्मी बड़े गौर से मेरी कहानी सुन रही थीं। कहानी सुनते सुनते उसके चेहरे का रंग भी लाल हो गया था, मुझे ऐसा लग रहा था कि मम्मी को यह कहानी सुनने में बहुत मज़ा आया था। वो अपने एक हाथ को अपने जाँघों के बीच रखे हुए थीं और वहाँ बार-बार दबा रही थीं।

अपनी जाँघों को भींचते हुए मुझसे सिगरेट ली और एक बड़ा सुट्टा मार कर बोलीं- सच कह रहे हो तुम ? मुझे लगता है मैं ही इन सबका कारण हूँ। तुम्हारी कहानी सुन कर मैं बहुत गरम और उत्तेजित हो गई हूँ।

इतना कहते हुए वो बेड की पुष्ट पर पीठ टिका कर अधलेटी सी हो गईं। मेरा हाथ पकड़ कर अपने हाथों में ले लिया और अपने दिल पर रख दिया, मेरे पूरे बदन में सिहरन दौर गई। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं।

“बेटे तुमने मुझे बहुत गर्म कर दिया है, तुम और तुम्हारी बहन दोपहर में बहुत जबरदस्त तरीके से चुदाई कर रहे थे। जैसा कि मैं समझती हूँ और सामाजिक परंपराओं के अनुसार यह पाप है, मगर मेरा दिल जो कि मेरे दिमाग़ से अलग सोच रहा है और कह रहा है कि यह बहुत ही प्यार भरा पाप है। क्या तुम एक और पाप करना चाहोगे ? क्या तुम अपनी मम्मी के साथ भी यही पाप करना चाहोगे ?”

“मम्मी, तुम क्या कह रही हो, क्या तुम सच में ऐसा कुछ सोच रही हो ?”

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“माय डियर सन, क्या तुम्हें अब भी कुछ शक़ हो रहा है ? माय डार्लिंग, ज़रा अपनी मम्मी के इन दुद्दुओं को दबाओ और मसलो।”

“मॉम, ये मेरे लिए एक पाप ही है। मुझे समझ नहीं आ रहा मैं आपको क्या जवाब दूँ और कैसे ये सब करूँ, मम्मी मुझे आपके साथ ये सब करने में बहुत झिझक हो रही है। क्या आ आप… ?”

कहानी जारी रहेगी।

इस कहानी के सम्बन्ध में आप अपने विचार व्यक्त करने के लिए मुझे लिखें-

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

# Other stories you may be interested in

## अनोखी चूत चुदाई के बाद-4

‘योनि नहीं, कोई दूसरा नाम बताओ इसका, तभी घुसाऊँगा लंड !’ मैंने उसे और तंग किया फिर उसके भगांकुर को होंठों में लेकर चुभलाने लगा। ‘उफ्फ पापा जी, आप और कितना बेशर्म बनाओगे मुझे आज… लो मेरी चूत में पेल दो […]

Full Story >>>

## अनोखी चूत चुदाई के बाद-3

टाइम ग्यारह से ज्यादा हो गया, मैं ऊपर वाली कोठरी में जाकर लेट गया। ‘अदिति आएगी ?’ यह प्रश्न मन में उठा, साथ में मैंने अपनी चड्डी में हाथ घुसा कर लंड को सहलाया। ‘जरूर आयेगी… जब उसे कल की चुदाई […]

Full Story >>>

## अनोखी चूत चुदाई के बाद-2

‘देखो, घबराओ मत, तुम्हारी चिन्ता का कारण मुझे पता है, तुम किसी भी बात की चिन्ता फिकर मत करो।’ ‘कौन सी चिन्ता पापा ? मुझे कोई टेंशन नहीं है !’ ‘देखो अदिति बेटा, मुझे सब पता है कि तुझे किस बात का […]

Full Story >>>

## अनोखी चूत चुदाई के बाद-1

मित्रो, मेरी पिछली हिन्दी सेक्स स्टोरी अनोखी चूत चुदाई की वो रात में मैंने अपनी बहूरानी के साथ हुई आकस्मिक चुदाई का विस्तृत वर्णन किया था कि कैसे मैं छत पर बनी एकांत कोठरी में नंगा होकर लेटा हुआ मुठ […]

Full Story >>>

## लागी लंड की लगन, मैं चुदी सभी के संग- 53

होटल आकर हम ससुर बहू ने जल्दी-जल्दी कुछ खाया और कमरे में पहुंच गये। मैं निढाल होकर बिस्तर पर गिर पड़ी। ससुर जी ने मुझे मोहिनी की कुंवारी गांड का उदघाटन करने देने के लिये शुक्रिया किया। बस मुझे नींद […]

Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

# Other sites in IPE

## Indian Gay Site

#1 Gay Sex and Bisexual Site for Indians.

## Delhi Sex Chat

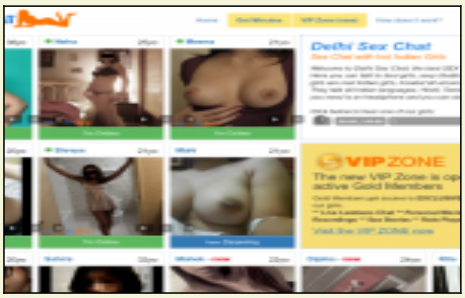


Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

## IndianPornVideos.com

Indian porn videos is India's biggest porn video tube site. Watch and download free streaming Indian porn videos here.

## Kambi Malayalam Kathakal

Large Collection Of Free Malayalam Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

## Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

## Indian Porn Live

Go and have a live video chat with the hottest Indian girls.


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*